PG/IS/HIN-102/13

MA 1st Semester Examination, 2013

HINDI

PAPER – HIN- 102

Full Marks : 40

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×2

1. 'विद्यापति भक्ति एवं श्रृंगार के कवि हैं'-इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

2. सूर के भ्रमरगीत की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिये ।

3. कबीर की सामाजिक चेतना पर रोशनी डालिए ।

4. पठित पदों के आधार पर मीरा का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

5. घनानन्द के वियोग पर प्रकाश डालिए ।

6. किन्हीं *दो* अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(*क*) तुअ पद परिहरि पाप-पयोनिधि, पारक कओन उपाय ।
जावत जनम नहि तुअ पद सेबिनु, जुबति मनि मयँ मेलि ।
अमृत्त तजि हलाहल किस पीअल, सम्पद आपदहि भेलि ।
भनइ विद्यापति नेह मने गनि, कहल कि बाढ़ब काजे ।
साँझक बेरि सेवकाई मंगइत, हेरइत तुअ पद लाजे ।

(*ख*) संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे ।
भ्रम की टाटीं सबै उडाँणी, माया रहै न बाँथी ।।
हिति चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा ।

(*ग*) माई सांवरे रंग रांची
साज शिंगार बाँध पग घूंघर लोकलाज तज णांची
गया कुमत यां साधा संगत स्याम प्रीत जग सांची
गायां गायां हरि गुण णिस-दिण काल व्याल री बांची ।

(घ) पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यों फिरि तेह कै
तोरियै जू ।
निरधार अधार दै धार मझार दई गहि बाँह बोरियै जू
घनआनन्द आपने चातिक कों गुन बांधि लै मोह
न छोरियै जू ।
रस ज्याय कै जाय, बढ़ाय कै आस, बिसास मैं
यौं बिस धोरि जू ।।